दैनिक
नगर छाया
आप की आवाज़.....
WWW.nagarchhaya.com

वर्षा से खरीफ फसलों के बचाव हेतु वैज्ञानिकों ने जारी की एडवाइजरी

कानपुर (नगर छाया समाचार)। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित दलीप नगर स्थित कृषि विज्ञान केंद्र के प्रसार वैज्ञानिक डॉक्टर राजेश राय ने जनपद के किसानों हेतु वर्षा से खरीफ फसलों के बचाव हेतु एडवाइजरी जारी की है। डॉक्टर राय ने कृषकों को सलाह दी है कि बेहतर आमदनी के लिए खरीफ फसलों का प्रबंधन करे। उन्होंने कृषि और खेती संबंधित सावधानियों के बारे में सलाह दी डॉ राय ने किसानों को बताया कि धान की पत्तियां यदि पीली हो रही हों तो 6 किलो ग्राम जिंक सल्फेट (हेप्टा हाइड्रेट 21 प्रतिश) 300 लीटर पानी में घोलकर प्रति हेक्टेयर छिड़काव करें। उन्होंने किसानों को सलाह दी हैकि खड़ी फसल और सब्जियों के खेत में खरपतवार उखाड़ कर फेंक दें। और दलहनी फसलें (उर्द/मूंग)तथा तिलहनी (तिल),ज्वार, बाजरा एवं सब्जियों के खेत में पानी न भरने दे। जल विकास का उचित प्रबंध करें जिससे की फसल के उत्पादन में कोई प्रभाव न पड़े।

वर्ष-12 अंक-152 कानपुर, बुधवार 6 अगस्त 2025 पृष्ठ-8 मूल्य 2

पुर से प्रकाशित

दैनिक

आज का कानपुर

AKK NEWS

..सत्य का आधार''

..क पंजीयन संख्या : ..P.City-323/2018-20

RNI No : ..HIN/2014/55306

वर्षा से खरीफ फसलों के बचाव हेतु वैज्ञानिकों ने जारी की एडवाइजरी

आज का कानपुर

कानपुर । चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित दलीप नगर स्थित कृषि विज्ञान केंद्र के प्रसार वैज्ञानिक डॉक्टर राजेश राय ने जनपद के किसानों हेतु वर्षा से खरीफ फसलों के बचाव हेतु एडवाइजरी जारी की है। डॉक्टर राय ने कृषकों को सलाह दी है कि बेहतर आमदनी के लिए खरीफ फसलों का प्रबंधन करे। उन्होंने कृषि और खेती संबंधित सावधानियों के बारे में सलाह दी डॉ राय ने किसानों को बताया कि धान की पत्तियां यदि पीली हो रही हों तो 6 किलो ग्राम जिंक सल्फेट (हेप्टा हाइड्रेट 21 प्रतिशत) 300 लीटर पानी में घोलकर प्रति हेक्टेयर छिड़काव करें। उन्होंने किसानों को सलाह दी हैकि खड़ी फसल और सब्जियों के खेत में खरपतवार उखाड़ कर फेंक दें। और दलहनी फसलें (उर्द/मूंग)तथा तिलहनी (तिल),ज्वार, बाजरा एवं सब्जियों के खेत में पानी न भरने दे। जल विकास का उचित प्रबंध करें जिससे की फसल के उत्पादन में कोई प्रभाव न पड़े।

वर्षा से खरीफ फसलों के बचाव हेतु वैज्ञानिकों ने जारी की एडवाइजरी

शाश्वत टाइम्स

कानपुर/ चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित दलीप नगर स्थित कृषि विज्ञान केंद्र के प्रसार वैज्ञानिक डॉ. राजेश राय ने जनपद के किसानों के लिए मंगलवार को वर्षा से खरीफ फसलों के बचाव हेतु एडवाइजरी जारी की है। डॉ. राय ने किसानों को सलाह दी है कि बेहतर आमदनी के लिए खरीफ फसलों का प्रबंधन करे। डॉ राय ने किसानों को बताया कि धान की पत्तियां यदि पीली हो रही हों तो 6 किलो ग्राम जिंक सल्फेट (हेप्टा हाइड्रेट 21त्न) 300 लीटर पानी में घोलकर प्रति हेक्टेयर छिड़काव करें। उन्होंने किसानों को खड़ी फसल और सब्जियों के खेत में खरपतवार उखाड़ कर फेंकने की सलाह दी है और दलहनी फसलें उर्द ,मूंग तथा तिलहनी तिल,ज्वार, बाजरा एवं सब्जियों के खेत में पानी न भरने दे। उन्होंने बताया कि जल विकास का उचित प्रबंध करें जिससे की फसल के उत्पादन में कोई प्रभाव न पड़े।

कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष: 17 अंक : 40 कानपुर, बुधवार, 06 अगस्त 2025 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य: 2.00 रुपए

राष्ट्रीय स्वरूप

वर्षा से खरीफ फसलों के बचाव के लिए वैज्ञानिकों ने जारी की एडवाइजरी

कानपुर (स्वरूप संवाददाता)। सीएसए के अधीन संचालित दलीप नगर स्थित कृषि विज्ञान केंद्र के प्रसार वैज्ञानिक डॉक्टर राजेश राय ने जनपद के किसानों हेतु वर्षा से खरीफ फसलों के बचाव हेतु एडवाइजरी जारी की है। डॉक्टर राय ने कृषकों को सलाह दी है कि बेहतर आमदनी के लिए खरीफ फसलों का प्रबंधन करे। उन्होंने कृषि और खेती संबंधित सावधानियों के बारे में सलाह दी डॉ राय ने किसानों को बताया कि धान की पत्तियां यदि पीली हो रही हों तो 6 किलो ग्राम जिंक सल्फेट (हेप्टा हाइड्रेट 21ब) 300 लीटर पानी में घोलकर प्रति हेक्टेयर छिड़काव करें। उन्होंने किसानों को सलाह दी हैकि खड़ी फसल और सब्जियों के खेत में खरपतवार उखाड़ कर फेंक दें। और दलहनी फसलें (उर्द/मूंग)तथा तिलहनी (तिल),ज्वार, बाजरा एवं सब्जियों के खेत में पानी न भरने दे। जल विकास का उचित प्रबंध करें जिससे की फसल के उत्पादन में कोई प्रभाव न पड़े।

उद्योग नगरी टाइम्स

वर्षा से खरीफ फसलों के बचाव हेतु वैज्ञानिकों ने जारी की एडवाइजरी

अनवर अशरफ

कानपुर यू एन टी ।

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित दलीप नगर स्थित कृषि विज्ञान केंद्र के प्रसार वैज्ञानिक डॉक्टर राजेश राय ने जनपद के किसानों हेतु वर्षा से खरीफ फसलों के बचाव हेतु एडवाइजरी जारी की है। डॉक्टर राय ने कृषकों को सलाह दी है कि बेहतर आमदनी के लिए खरीफ फसलों का प्रबंधन करे। उन्होंने कृषि और खेती संबंधित सावधानियों के बारे में सलाह दी डॉ राय ने किसानों को बताया कि धान की पत्तियां यदि पीली हो रही हों तो 6 किलो ग्राम जिंक सल्फेट (हेप्टा हाइड्रेट 21ब्र) 300 लीटर पानी में घोलकर प्रति हेक्टेयर छिड़काव करें। उन्होंने किसानों को सलाह दी हैकि खड़ी फसल और सब्जियों के खेत में खरपतवार उखाड़ कर फेंक दें। और दलहनी फसलें (उर्द/मूंग)तथा तिलहनी (तिल),ज्वार, बाजरा एवं सब्जियों के खेत में पानी न भरने दे। जल विकास का उचित प्रबंध करें जिससे की फसल के उत्पादन में कोई प्रभाव न पड़े।

राष्ट्रीय
सहारा

कानपुर● बुधवार ● 6 अगस्त ● 2025

फसल बचाव के लिए एडवाइजरी जारी

कानपुर। वर्षा से खरीफ फसलों के बचावे के लिए वैज्ञानिकों ने जारी की एडवाइजरी की है। सीएसए के वैज्ञानिक डॉक्टर राजेश राय ने जनपद के किसानों को वर्षा से खरीफ फसलों के बचाव हेतु एडवाइजरी जारी की है। डॉक्टर राय ने कृषकों को सलाह दी है कि बेहतर आमदनी के लिए खरीफ फसलों का प्रबंधन करें। उन्होंने कृषि और खेती संबंधित सावधानियों के बारे में सलाह दी। डॉ. राय ने किसानों को बताया कि धान की पत्तियां यदि पीली हो रही हों तो 6 किलो ग्राम जिंक सल्फेट 300 लीटर पानी में घोलकर प्रति हेक्टेयर छिड़काव करें। खड़ी फसल और सब्जियों के खेत में खरपतवार उखाड़ कर फेंक दें और दलहनी फसलें (उर्द/मूंग)तथा तिलहनी (तिल), ज्वार, बाजरा एवं सब्जियों के खेत में पानी न भरने दें।

अमर भारती

एक उम्मीद

06 संस्करण

12, मूल्य: 03 रु. RNI No. UPHIN/2011/46455 www.amarbharti.com बुधवार, 06 अगस्त 2025 शक सम्वत् 1947, श्रावण शुक्ल पक्ष

कवि कोना
-सुनहरी लाल 'तु

ज़िन्दगी कि

प्यार बंदों से न हो
खुश न रख पाई किस
व्यर्थ ही ढोते रहे ग
काम ना आई किसी

फसलों के बचाव को लेकर एडवाइजरी जारी

कानपुर (अमर भारती ब्यूरो)। सीएसए के अधीन संचालित दलीप नगर स्थित कृषि विज्ञान केंद्र के प्रसार वैज्ञानिक डॉक्टर राजेश राय ने जनपद के किसानों हेतु वर्षा से खरीफ फसलों के बचाव हेतु एडवाइजरी जारी की है। डॉक्टर राय ने कृषकों को सलाह दी है कि बेहतर आमदनी के लिए खरीफ फसलों का प्रबंधन करे। उन्होंने कृषि और खेती संबंधित सावधानियों के बारे में सलाह दी डॉ राय ने किसानों को बताया कि धान की पत्तियां यदि पीली हो रही हों तो 6 किलो ग्राम जिंक सल्फेट (हेप्टा हाइड्रेट 21प्रतिश) 300 लीटर पानी में घोलकर प्रति हेक्टेयर छिड़काव करें। उन्होंने किसानों को सलाह दी हैकि खड़ी फसल और सब्जियों के खेत में खरपतवार उखाड़ कर फेंक दें। और दलहनी फसलें (उर्द/मूंग)तथा तिलहनी (तिल),ज्वार, बाजरा एवं सब्जियों के खेत में पानी न भरने दे। जल विकास का उचित प्रबंध करें जिससे की फसल के उत्पादन में कोई प्रभाव न पड़े।